Under CSR Support by ipca | Foundation missiongyan

अध्याय - 7 | साखियाँ, सबद (कबीर)

QUIZ PART-04

1. **"ज्ञान की आंधी" से कबीर का क्या तात्पर्य है?**
   A. तेज हवा
   B. ज्ञान का जागरण
   C. अंधकार का फैलाव
   D. माया का विस्तार (B)

व्याख्या : कबीर "ज्ञान की आंधी" से तात्पर्य ज्ञान के जागरण से करते हैं, जो अज्ञान रुपी परदे को हटा देता है।

2. **ज्ञान की आंधी आने पर "भ्रम की टाटी" का क्या होता है?**
   A. वह मजबूत हो जाती है
   B. वह उड़ जाती है
   C. वह रंग बदल लेती है
   D. वह और फैल जाती है (B)

व्याख्या : कबीर कहते हैं कि ज्ञान की आंधी आने पर भ्रम रुपी टाटी उड़ जाती है।

3. **"हरि की गति " कब जानी जा सकती है?**
   A. जब माया का बंधन मजबूत हो
   B. जब मोह बढ़े
   C. जब कपट और कुटिलता का नाश हो
   D. जब हिंसा बढ़े (B)

व्याख्या : कबीर के अनुसार हरि की हित वही जान सकता है जिसका कपट और कुटिलता दूर हो जाए।

4. **ज्ञान की आंधी के पीछे क्या होता है?**
   A. अज्ञान फिर से लौट आता है
   B. प्रेम रुपी जल हरिजन को भिगो देता है
   C. माया और मजबूत होती है
   D. हिंसा और बढ़ जाती है (B)

व्याख्या : ज्ञान की आंधी के बाद प्रेम रुपी वर्षा होती है, जिससे हरिजन भीग जाते हैं।

5. **कबीर के अनुसार "भान" के प्रकट होने पर क्या होता है?**
   A. तम (अंधकार) दूर हो जाता है
   B. माया फैल जाती है
   C. मोह बढ़ जाता है
   D. भ्रम और गहराता है (A)

व्याख्या : कबीर कहते हैं कि जब "भान" (सूर्य) प्रकट होता है तो अंधकार समाप्त हो जाता है।

6. **"कुबुद्धि का भाँडा फूटा" से क्या आशय है?**
   A. ज्ञान की हानि
   B. बुरी बुद्धि का नाश
   C. कपट का फैलाव
   D. मोह का विस्तार (B)

व्याख्या : कबीर ने इसे बुरी बुद्धि के नाश का प्रतीक बताया है।

7. **"बलिंडा टूटना" किसका प्रतीक है?**
   A. मोह की वृद्धि
   B. माया का बंधन टूटना
   C. हिंसा का विस्तार
   D. कपट का और मजबूत होना (B)

व्याख्या : बलिंडा टूटने का अर्थ है मोह और माया के बंधन का टूट जाना।

8. **"भ्रम की टाटी" किसका प्रतीक है?**
   A. ज्ञान
   B. अज्ञान
   C. प्रेम
   D. तपस्या (B)

व्याख्या : टाटी से आशय अज्ञान और भ्रम से है, जो ज्ञान की आंधी से उड़ जाता है।

9. **इस पद में कबीर ने किस प्रकार की भक्ति का समर्थन किया है?**
   A. बाहरी आडंबरपूर्ण भक्ति
   B. कर्मकांड पर आधारित भक्ति
   C. आंतरिक सच्ची भक्ति और ज्ञानपूर्ण साधना
   D. केवल जप-तप (C)

व्याख्या : कबीर ने सच्ची भक्ति और ज्ञान के महत्व पर बल दिया है।

10. **"तम खीनाँ" का अर्थ क्या है?**
    A. मोह बढ़ना
    B. अंधकार का नष्ट होना
    C. कपट का फैलना
    D. हिंसा बढ़ना (B)

व्याख्या : "तम खीना" का अर्थ है अंधकार का समाप्त होना।